SHRI PIYUSH GOYAL: Sir, the United States of America puts certain duties for security reasons on many countries across the world including the European Union, China and India. This is a trade negotiating process which happens all the time. During that process, they also impose it on India. India has put some retaliatory tariffs. Obviously, negotiation is an ongoing process. The U.S. Government is going to be in talks with us;- we are going to be in talks with them. Both sides have certain requests. It is a continuous ongoing process. The representative of the U.S. will be coming later during the month. I am sure there will be several discussions. You might also have read the report. The U.S. State Department has also come out with a statement that they are eagerly looking forward to the visit of Mr. Pompeo.

डेयरी और मत्स्यपालन क्षेत्र को बढ़ावा

*4. **श्री राम नाथ ठाकुर**: क्या **पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए सरकार ने डेयरी और मत्स्यपालन को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार प्रत्येक राज्य के लिए विशिष्ट योजनाएं तैयार करेगी;

(ग) यदि हां, तो उक्त योजनाओं की विस्तृत रूपरेखा क्या है; और

(घ) वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए इस योजना हेतु कितनी धनराशि आबंटित की गई है?

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन मंत्री (श्री गिरिराज सिंह): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी हां। सरकार देश भर में किसानों की आय को दोगुना करने और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को सम्पूरित करने के लिए डेयरी और मात्स्यिकी को बढ़ावा देने हेतु निम्नलिखित योजनाओं को कार्यान्वित कर रही है:-

I. राष्ट्रीय गोकुल मिशन

II. राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम

III. राष्ट्रीय डेयरी योजना-I

IV. डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना

V. डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि

VI. डेयरी गतिविधियों में लगी डेयरी सहकारिता और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता

VII. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण

VIII. नीली क्रांतिमात्स्यिकी का एकीकृत विकास और प्रबंधन

IX. मात्स्यिकी और जल कृषि अवसंरचना विकास निधि

(ख) से (घ) सरकार, इस योजनाओं के दिशा-निर्देशों के भीतर राज्यों के प्रयासों को अनुपूरित और सम्पूरित करती है जिसमें पशुपालन और मात्स्यिकी क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य-विशिष्ट परियोजनाएं शामिल हैं।

Promotion of dairy and fishery sector

†*4. SHRI RAM NATH THAKUR: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY, DAIRYING AND FISHERIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government has decided to promote dairy and fisheries for the doubling of farmers' income;

(b) if so, whether Government would prepare State-specific schemes;

(c) if so, the detailed roadmap of the said schemes; and

(d) the details of funds allocated for this scheme for the current financial year?

THE MINISTER OF ANIMAL HUSBANDRY, DAIRYING AND FISHERIES (SHRI GIRIRAJ SINGH): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. The Government is implementing the following schemes to promote dairy and fisheries for the doubling of farmers' income and to supplement the efforts of States/UTs throughout the country:

I. Rashtriya Gokul Mission

II. National Programme for Dairy Development

III. National Dairy Plan-I

IV. Dairy Entrepreneurship Development Scheme

V. Dairy Processing and Infrastructure Development

†Original notice of the question was received in Hindi.

VI. Supporting Dairy Cooperatives and Farmer Producer Organisations engaged in dairy activities

VII. Livestock Health and Disease Control

VIII. Blue Revolution: Integrated Development and Management of Fisheries

IX. Fisheries and Aquaculture Infrastructure Development Fund

(b) to (d) The Government, within the guidelines of the schemes, complements and supplements the efforts of the States including State-specific projects for the development of animal husbandry and fisheries sectors.

श्री राम नाथ ठाकुर: सभापति महोदय, मैंने जो प्रश्न किया था, उत्तर में उसका कोई जवाब ही नहीं आया है। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि पशुपालन, फिशरीज़ और डेयरी को डबल करने का जो लक्ष्य है, तो कितने परसेंट राज्य-वार योगदान है?

श्री गिरिराज सिंह: महोदय, मैं तो सर्वप्रथम माननीय सदस्य राम नाथ जी को धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने ऐसे विषय को उठाया है, जिसे प्रधान मंत्री ने गंभीरता से लिया है और 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में यह पहला कदम है कि कृषि से अलग विभाग को बनाया।

दूसरा, माननीय सदस्य ने जो कहा, इसके तीन आयाम हैं। इन्होंने फिशरीज़ भी कहा है। आज दुनिया में भारत एक नम्बर का दुग्ध उत्पादक देश है। अगर आप देखें, हमारी 7 प्रतिशत की दर से दूध के उत्पादन में हमारी विकास दर 6.4 है। हम मछली में देखें, तो वह 7 प्रतिशत है, जबकि भारत की कृषि में देखें, तो 2 से 3 है। हम इस गति को और ऊंचाई तक ले जाना चाहते हैं। महोदय, दुनिया में दूध का..

श्री सभापति: उतना डिटेल बताने की जरूरत नहीं है।

श्री गिरिराज सिंह: महोदय, मैं बता रहा हूं।

श्री सभापति: नहीं। Now, second supplementary. ...*(Interruptions)*... No longish reply is required. You reply to the point. You may have so much information which you can use when there is a discussion on Demands of Ministries. But, at the moment, there is a specific question. Time is not in my hands. It moves on without the order of the Chairman.

श्री राम नाथ ठाकुर: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पशुपालक किसानों की वार्षिक आमदनी कितनी है?

श्री गिरिराज सिंह: महोदय, यह कोई निश्चित नहीं है। माननीय सदस्य जानते हैं कि कोई पशुपालक यदि एक जानवर रखता है, तो दूध के ऊपर दाम दिया जाता है। भारत के अंदर दूध की कीमत जो तय की गई है, वह SNF+fats के आधार पर तय की गयी है। ऐसी स्थिति में एक गाय ने कितना दूध दिया, तो इसमें ऐसा कोई नियम तो नहीं है कि सबको बराबर दिया जाए।

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Surendra Singh Nagar. ...*(Interruptions)*... Whatever names come, I go through the entire House and try to be proportional. ...*(Interruptions)*... सर कहने से भी कुछ नहीं होगा।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर: सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में 9 योजनाओं का जिक्र किया है। मेरा सवाल माननीय मंत्री जी से दो योजनाओं को लेकर है। राष्ट्रीय डेयरी योजना- प्रथम (NDP-I) का जो बताया गया है, उसमें कितने बजट का प्रोविजन किया गया, राज्यों को बजट के आबंटन का आधार क्या था और देश के सबसे बड़े milk producer State उत्तर प्रदेश को इसमें कितना बजट दिया गया?

इसके साथ-साथ, आपने पशुपालन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण की जो बात कही है, उसमें जो खुरपका और मुँहपका जैसी बीमारियां हैं, जो एक-दूसरे से carry होती हैं, छुआछूत की बीमारियां हैं, उनके लिए जो टीकाकरण है, उसको एक साथ पूरे देश में लागू करने के लिए क्या सरकार की कोई योजना है?

श्री सभापति: मंत्री जी, कोई ऐसी योजना है, आप बताइए।

श्री गिरिराज सिंह: सभापति महोदय, 2,242 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय डेयरी योजना फेज-I है, जिसमें 18 राज्यों को लिया गया है। महोदय, सबों को धन्यवाद दिया जाए क्योंकि टीकाकरण के लिए अभी-अभी प्रधान मंत्री जी ने 13,442 करोड़ रुपए इस तरह के रोगों से मुक्त करने के लिए टीकाकरण के लिए दिये हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर: महोदय, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मंत्री जी, उन्होंने उत्तर प्रदेश के बारे में पूछा है। क्या आपके पास उसके बारे में कुछ जानकारी है? ...(**व्यवधान**)...

श्री गिरिराज सिंह: सभापति महोदय, इस मद में उत्तर प्रदेश को कितनी राशि दी गई, यह प्रश्न में नहीं पूछा गया था। मैं इस संबंध में पता करके माननीय सदस्य को भिजवा दूंगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री दिग्विजय सिंह। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर: सर, इस पर चर्चा करा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*... नहीं, नहीं, आप इस तरह से बैठ कर मत बोलिए। All are Members, Elders. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर: सर, इस पर चर्चा करा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: हाउस चले, तो चर्चा होगी।

श्री दिग्विजय सिंह: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि हम लोग दुग्ध उत्पादन में विश्व में नंबर एक पर है, लेकिन पूरे देश में बहुत बड़े पैमाने पर रासायनिक खाद को मिलाकर दूध बनाया जा

रहा है, बालियान साहब से पूछ लीजिए कि वेस्टर्न यूपी में इस तरह से कितना दूध बनाया जा रहा है? मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उसको रोकने के लिए वे क्या कार्रवाई कर रहे हैं?

श्री गिरिराज सिंह: सभापति महोदय, हम तो 10 हजार करोड़ रुपए की क्लीन मिल्क की एक स्कीम ला रहे हैं, लेकिन FSSI उसका मुख्य संरक्षक है। हमारा विभाग दूध की गुणवत्ता को देखता है, लेकिन दूध के बने प्रोडक्ट्स के ऊपर हमारा अधिकार नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सरदार बलविंदर सिंह भुंडर। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I understand. ...*(Interruptions)*... Please ...*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: My question was whether it is there or not?...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: क्या यह उनके पास नहीं है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: उन्होंने बताया कि यह उनके पास नहीं है। ...(**व्यवधान**)... Shri Balwinder Singh. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... Balwinder Singhji. ...*(Interruptions)*... I have gone to the other Singh. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... दिग्विजय सिंह जी, कृपया आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... No, no. It is not going on record, please. ...*(Interruptions)*...

श्री दिग्विजय सिंह: *

सरदार बलविंदर सिंह भुंडर: ऑनरेबल चेयरमैन सर, मैं आपके जरिए यह कहना चाहता हूं कि यह जो डेयरी और फिशरीज़ है, यह एग्रीकल्चर को सपोर्ट करने के लिए और diversification के लिए सबसे जरूरी है। प्रधान मंत्री जी का भी यही मिशन है कि किसानों की इन्कम को डबल करना है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जब मार्केट में ज्याद दूध आ जाता है, तब क्या आप उसके प्राइस को सपोर्ट करेंगे और फिशरीज़ वगैरह की मार्केटिंग assure करेंगे? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या आप इस तरह के किसान को बगैर इंटरेस्ट लोन दे सकते हैं?

श्री सभापति: बलविंदर जी, सवाल संक्षिप्त होना चाहिए।

श्री गिरिराज सिंह: महोदय, किसानों को ऋण देने के लिए राज्य के द्वारा स्कीम है, जो NFDB बनाती है। जहां तक मछली का संबंध है, तो आज यह जानकर खुशी होगी कि हमने लगभग 45 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट किया है 11 परसेंट प्रति वर्ष की दर से। हम एक तरफ किसानों को भी सुविधा दे रहे हैं और दूसरी तरफ हम एक्सपोर्ट में भी बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।

---

*Not Recorded